Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 7209

PAPER – III

Time : 2½ hours] **COMPARATIVE LITERATURE** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

COMPARATIVE LITERATURE

तुलनात्मक साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Literature is the most effective expression or the most profound and felt experiences of a people. F.R. Leavis describes it as a literary-critical discipline which 'trains, in a way no other discipline can, intelligence and sensibility together with cultivating a sensitiveness and precision of response and delicate integrity of intelligence, intelligence that integrates as well as analyses and must have pertinacity and staying power as well as delicacy". Later, in the same book, Leavis states the aim of literary studies more succinctly as the development of "a trained sense of value in the intelligent reading of literature". Nothing can be a substitute for a close and insightful reading of literary works. A "complete " reading of literary work necessitates "a constructive or creative process" or "a recreation in which, by a considerable attentiveness, we assume a more than ordinary faithfulness and completeness." Comparative studies can perform a very useful service by training the readers' sensibility and by making their responses really "complete". A comparative approach will save literature lessons from falling into what Bruce Pattison calls "a regular pattern". We will realize the true significance of comparative literary studies if we bear in mind the fact that classical studies are facing a crisis and that there is a 'crisis in the humanities'.

साहित्य लोगों की सर्वाधिक प्रभावशाली अभिव्यक्ति अथवा उनका गहनतम और स्पर्शित अनुभव है। एफ.आर. लेबिस इसका वर्णन एक साहित्यिक आलोचनात्मक अनुशासन के रूप में करते हैं 'जो, बुद्धि, संवेदन शक्ति को प्रशिक्षित करने के साथ साथ संवेदनशीलता, प्रतिक्रिया की उपयुक्तता और बुद्धि की सुकोमल सत्य निष्ठता, – बुद्धि जो जोड़ती है और विश्लेषण भी करती है और ऐसी बुद्धि में हठ होना और उस पर डटे रहने के

साथ साथ कोमलता भी हो' — को इस प्रकार प्रशिक्षित करता है जिस प्रकार कोई अन्य अनुशासन नहीं कर सकता। इसके पश्चात, उसी पुस्तक में लेविस ने साहित्य अध्ययन के उद्देश्य को बहुत भावपूर्ण शब्दों में कहा है कि, यह 'साहित्य के बौद्धिक अध्ययन के मूल्यों में प्रशिक्षित भाव का विकास है।' किसी साहित्यिक कृति को अन्तर्दृष्टि से पढ़ने का कोई अन्य विकल्प नहीं है। किसी साहित्यिक कृति के 'संपूर्ण' पढ़ने के लिए 'एक निर्माणात्मक अथवा सृजनात्मक प्रक्रिया' अथवा 'पुन:सृजन जिस में, पर्याप्त दत्त-चित्तता से, जिस में हम असाधारण रूप से 'श्रद्धालुता और सम्पूर्णता' को प्राप्त करते हैं', की आवश्यकता होती है। तुलनात्मक साहित्य पाठकों की संवेदनशीलता और उनकी प्रतिक्रिया को 'संपूर्ण' बनाने और प्रशिक्षित करने में बहुत उपयोगी सेवा निभा सकता है। तुलनात्मक दृष्टिकोण से साहित्य के पठन को वैसा नहीं कहा जाएगा जिसे ब्रूस पैटीसन ने 'नियमित ढर्रा' कहा है। हमें तुलनात्मक साहित्य अध्ययन का सही महत्त्व तभी पता चलेगा यदि हम अपने दिमाग में यह बैठा लें कि क्लासिकल अध्ययन एक संकट से गुजर रहा है और 'मानव शास्त्रों में भी संकट' है।

1. How does literature become a literary-critical discipline ?
साहित्य किस प्रकार साहित्यिक आलोचनात्मक अनुशासन हो जाता है ?

2. What according to Leavis, is the aim of literary studies ?
लेविस के अनुसार साहित्यिक अध्ययन का उद्देश्य क्या है ?

3. What are the advantages of a closed and insightful reading of a text ?
किसी पुस्तक के गहन एवं अन्तर्दृष्टि से पढ़ने के क्या लाभ हैं ?

4. What can comparative study perform on a reader ?
तुलनात्मक अध्ययन पाठक क्या सिखा सकता है ?

5. What is the true significance of comparative literary studies ?
तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन का सही महत्त्व क्या है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. How does H.H. Remak define Comparative Literature ?
एच.एच. रीमाक ने तुलनात्मक साहित्य की क्या परिभाषा दी है ?

7. Write a note on 'General Literature'.
'सामान्य साहित्य' पर एक नोट लिखिए।

8. Explain Spiller's Reception Aesthetics.
स्पिलर के सौन्दर्य संग्रहण को स्पष्ट कीजिए।

9. What are the problems for the literary historian ?
साहित्य के इतिहासकार के सामने कौनसी समस्याएँ होती हैं ?

10. Explain 'literal' translation.
'शाब्दिक अनुवाद' को स्पष्ट कीजिए।

11. Explain "Analogy" in the context of comparative literature.
तुलनात्मक साहित्य के प्रसंग में समानता (एनोलोजी) को स्पष्ट कीजिए।

12. What is Genology ?
जिनौलोजी क्या है ?

13. What according to Aristotle, is "Catharsis" ?
अरस्तु के अनुसार 'विरेचन' (कथारसिस) क्या है ?

14. What is a Gothic novel ?
गोयथिक नावल क्या है ?

15. What is 'Orientalism' ?
प्राच्यवाद क्या है ?

16. Distinguish between a Myth and an Archetype.
मिथ और मूलादर्श (आर्कटाइप) में क्या अन्तर है ?

17. Explain Themes and Motifs.
विषय-वस्तु और मोटिफ को स्पष्ट कीजिए।

18. What is Heteroglossia ?
'हेटरोग्लोसिया' क्या है ?

19. What does Gayatri Chakravarti Spivak mean by "Strategic Essentialism" ?
गायत्री चक्रवर्ती स्पिवक का 'स्ट्रैटिजिक एसेंशलिज़म' से क्या भाव है ?

20. What is "Hybridity" ?
'हिब्रिडिटी' क्या है ?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Critically examine Paul Van Tieghem's' views on "General Literature".
पाल वान टाइगैहम के 'सामान्य साहित्य' सम्बन्धी विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

22. Discuss Frentzel's themes in World Literature.
विश्व साहित्य में फ्रेंसल के थीम की चर्चा कीजिए।

23. Comment on Nida's views of "Equivalence".
'समतुल्यता' सम्बन्धी निड़ा के विचारों की विस्तृत चर्चा कीजिए।

24. "Postcolonial Comparative Literature is a voyage of discovery" Discuss.
''उत्तर-उपनिवेशी तुलनात्मक साहित्य खोज की यात्रा है।'' विस्तृत चर्चा कीजिए।

25. Examine the relationship between comparative literature and translation studies.
तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन के बीच सम्बन्धों का परीक्षण कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Critically examine the controversy between the American and French schools of comparative literature.

तुलनात्मक साहित्य के अमेरिकन स्कूल एवं फ्रांसिसी स्कूल के विवाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

OR/अथवा

Write an essay "Periodization" in literary history.

साहित्य के इतिहास में 'काल विभाजन' पर निबन्ध लिखिए।

OR/अथवा

"Indian literature is one literature written in many languages'. Discuss.

''भारतीय साहित्य एक साहित्य है जिसे अनेक भाषाओं में लिखा गया है।'' विस्तृत विवेचना कीजिए।

OR/अथवा

Do you think that colonialism affected the translations of Indian texts into English ? Discuss.

क्या आप समझते हैं कि उपनिवेशवाद ने भारतीय पुस्तकों के अंग्रेजी अनुवाद को प्रभावित किया? विवेचना कीजिए।

OR/अथवा

How is comparative literary studies absorbed into cultural studies ?

किस प्रकार तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन का सांस्कृतिक अध्ययन में अवशोषण होता है? विवेचना कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....